Samyak
An Institute For Civil Services

RAS - 23 MAINS TEST SERIES

सिद्धि - 08/A7

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 200**

लोकप्रशासन एवं प्रबंधन की अवधारणाएँ, मुद्दे एवं गत्यात्मकता
Concept, Issues and Dynamics of Public Administration and Management

Paper - III (Unit-II)

		MARKS	
Name :			
Enroll. No.:	Part	Attempted Questions	Marks Obtained
Date of Birth :	Part - A	24	33
Medium : Hindi	Part - B	15	49
E-mail :	Part - C	7	40
Exam Date : 10/12/2023	Total	46	122
Inviligator's Signature :			
ECN: RCN:	Hindi: $10\frac{1}{2}$	English: 10	

अनुदेश (Instructions)

1. परीक्षा शुरू होने से पहले पुस्तिका को जाँच लें।
   Please check the booklet before commencement of the exam.
2. दिये गये रिक्त स्थान में निर्देशित शब्द सीमा में उत्तर दें।
   Write the answers according to the prescribed word limit, in the space given.
3. अंक योजना प्रत्येक खंड के प्रारम्भ में दी गई है।
   The marking scheme is given at the start of every section.
4. परीक्षा के पश्चात् उत्तर पुस्तिका हॉल अधीक्षक को सौंप दें।
   Return the answer booklet to the hall superintendent after completing the paper.

SAMYAK, Near Riddhi Siddhi, Gopalpura Bypass, Jaipur, 9875170111
Test Series Helpline & Whatsapp - 9414988860, Email Id - samyaktestseries@gmail.com

	REVIEW PARAMETERS	SCALE			
		Good	Above Average	Average	Below Average
1.	DOES THE ANSWER ADDRESS THE DEMAND OF THE QUESTION?				
a.	**Answer Relevancy**	✓			
b.	**Answer Enrichment** points like use of: · **Key Terms/** Subject Vocabulary. Use of Commission/ report/ government publication/ judgements, etc. **Association with the Current Affairs** and **use of examples** to explain the concept and idea	✓			
2.	HOW WELL IS THE ANSWER PRESENTED?				
a.	**Structure** - Intro, Body, Conclusion		✓		
b.	**Presentation** – Using Subheadings/ points/ highlighting/ flowcharts/ diagrams/ maps		✓		
c.	**Language & Grammar**			✓	
d.	**Word limit**				✓

Detailed Comments / Feedback / Suggestions for Improvement
विस्तृत टिप्पणियाँ/फीडबैक/सुधार के लिए सुझाव :-

1. सभी प्रश्नो को हल करे।
2. – कुछ छोटे प्रश्नो मे गलत तथ्य है उनसे
3. बचे।
4. मध्यम प्रश्नो मे अच्छा प्रदर्शन।
5. बडे प्रश्नो मे प्रस्तुतीकरण मे निष्कर्ष जरूर
6. लिखें
7. – शब्द सीमा का ध्यान रखे
8. व्याकरण पर भी फोकस करे
9. Best of Luck
10. V. Good
11. Keep it

बहुत अच्छा प्रदर्शन

SAMYAK, Near Riddhi Siddhi, Gopalpura Bypass, Jaipur, 9875170111
Test Series Helpline & Whatsapp - 9414988860, Email Id - samyaktestseries@gmail.com

Note : Answer the following questions in 15 words. Each question carries 2 marks.
नोट : निम्न प्रश्नों के उत्तर 15 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. लोक प्रशासन के संदर्भ में विषय-सामग्री दृष्टिकोण क्या है?
What is content approach in the context of public administration?

शब्द सीमा का ध्यान रखें

लोक प्रशासन में विषय-सामग्री दृष्टिकोण

(1) लेविस मरियम द्वारा प्रस्तुत किया गया।

(2) गुलिक लूथर के 'POSDCORB' के पूरक के रूप में।

1/2

(3) इसके अनुसार लोक प्रशासन का अध्ययन उसके द्वारा उपलब्ध करवाई जाने वाली सेवाओं (services) के संदर्भ में किया जाना चाहिए जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य परिवहन, सुरक्षा इत्यादि

(4) यह उपागम लोकप्रशासन के दो उपागमों POSDCORB तथा विषय वस्तु उपागम को कैंची के दो फलकों के समान मानता है जो कि तीखे एवं धारदार होने चाहिए।

(Write above this line only)

2. 'लोक प्रशासन एक कला है'- इसके पक्ष में तीन तर्क दीजिए।
'Public Administration is an art' – Give three arguments in its favour.

लोक प्रशासन एक कला है।

लोकप्रशासन में भी निर्णय व्यक्तिगत पूर्वाग्रहों से प्रभावित होते हैं

(1) लोक प्रशासन में भी कला की भाँति प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है।

(2) लोक प्रशासन में भी कला की भाँति सृजनात्मकता (creativity) की आवश्यकता होती है जैसे नीति निर्माण एवं निर्णय निर्माण में।

(3) लोक प्रशासन में भी कला की भाँति माध्यम की आवश्यकता होती है
पेंटर → कलर, ब्रश इत्यादि लोकप्रशासन → संस्था

1/2

(4) लोक प्रशासन एवं कला दोनों में ही व्यक्तित्व (Personality) का महत्व होता है।

(5) माध्यम ← {लोक प्रशासन एक कला} → सृजनात्मकता
↙ व्यक्तित्व ↘ प्रशिक्षण

(Write above this line only)

3. एल.डी. व्हाइट की उस पुस्तक का नाम बताइए जिसे लोक प्रशासन की प्रथम पुस्तक माना जाता है?
Name the book by L.D. White which is considered to be the first book on public administration?

"An Introduction to the Study of Public Administration"
By L.D. White (1927)

इस पुस्तक को लोक प्रशासन की प्रथम पुस्तक माना जाता है जिसने लोक प्रशासन के विकास के प्रारम्भिक चरण - राजनीति - प्रशासन द्विविभाजन (1887 - 1927) के दौरान लोक प्रशासन का साहित्य समृद्ध किया।

2

(Write above this line only)

1

4. 'नियंत्रण का क्षेत्र' अवधारणा में समग्र संबंधों की संख्या ज्ञात करने हेतु ग्रेक्यूनाज द्वारा प्रस्तुत सूत्र को लिखिए।
Write the formula presented by Gracunaz to find the number of overall relationships in the concept of 'Span of Control'.

ग्रेक्यूनाज द्वारा नियंत्रण के क्षेत्र को 'ध्यान का क्षेत्र' कहा गया।

समग्र संबंधों की संख्या का सूत्र -

समग्र संबंधों की संख्या = $n\left[\frac{2^n}{2} + n - 1\right]$ जहाँ n = संगठन में कर्मचारियों/अधीनस्थों की संख्या है।

or

= $n[2^{n-1} + n - 1]$

(2)

(Write above this line only)

5. फेयोल द्वारा वर्गीकृत छः औद्योगिक गतिविधियाँ कौन-कौनसी हैं?
What are the six industrial activities classified by Fayol?

(1) Planning (नियोजन)
(2) Organisation (संगठन)
(3) Staffing (स्टाफिंग)
(4) Direction (निर्देशन)
(5) Co-ordination (समन्वय)
(6) Reporting (प्रतिवेदन)

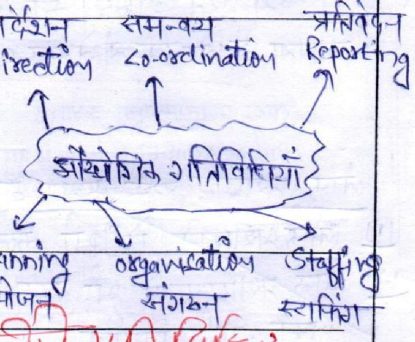

(Write above this line only)

औद्योगिक गतिविधियाँ: Planning नियोजन, Organisation संगठन, Staffing स्टाफिंग, निर्देशन Direction, समन्वय Co-ordination, प्रतिवेदन Reporting

(0)

- तकनीकी गतिविधि
- वाणिज्यिक गतिविधि
- सुरक्षा गतिविधि
- वित्तीय गतिविधि
- लेखांकन गतिविधि
- प्रबंधकीय गतिविधि

6. वेबर द्वारा वर्णित नौकरशाही की कोई दो विशेषताएँ लिखिए।
Write any two characteristics of bureaucracy described by Weber.

वेबर द्वारा वर्णित नौकरशाही की विशेषताएं -

1. नौकरशाही का वास्तविक उद्देश्य जनकल्याण करना एवं संगठन के उद्देश्यों को प्राप्त करना है।

(1/2)

2. नौकरशाही को जनता के प्रति जवाबदेह, उत्तरदायी एवं पारदर्शी होना चाहिए।

- योग्यता आधारित भर्ती
- पदसोपान

(Write above this line only)

7. लोक प्रशासन में 'सत्ता' के स्रोत कौन-कौनसे हैं?

What are the sources of 'Authority' in public administration?

सत्ता के स्रोत →

कानून
प्रत्यायोजन

(1) संवैधानिकता - संविधान, संवैधानिक मूल्यों, परम्पराएं, अधिनियमों, नियमों इत्यादि से सत्ता को वैधता प्राप्त होती है।

1/2

(2) अधीनस्थों की स्वीकार्यता - यह परम्परागत अवधारणा है जिसके अनुसार किसी संगठन में सत्ता नीचे का प्रवाह नीचे से ऊपर की ओर होता है

(3) अधिकारियों की सक्षमता → सत्ता का प्रवाह उच्चाधिकारी की सक्षमता पर निर्भर करता है।

(Write above this line only)

सत्ता को परिभाषित कीजिए
अनावश्यक का लिखे

8. 'स्केलर चेन' की संकल्पना

Concept of 'Scalar Chain'

संगठन के उच्च पद से लेकर निम्न पद तक सभी अधिकारियों कर्मचारियों की श्रृंखला

एक जिले में राजस्व अधिकारियों का पद-सोपान

1/2

1. स्केलर चेन की अवधारणा फेयोल द्वारा दी गई।
2. इसी का अन्य नाम पद-सोपान (Hierarchy) है।
3. स्केलर चेन अथवा पद सोपान से आशय किसी संगठन में उच्चाधिकारी एवं अधीनस्थों के बने ऐसे जाल से है जिससे शक्तियों उत्तरदायित्वों एवं जवाबदेही की सुनिश्चितता बनी रहती है
4. संगठन में प्रशासनिक नेतृत्व की स्पष्टता आती है
5. संगठन में आदेशों व सत्ता का प्रवाह ऊपर से नीचे तथा उत्तरदायित्वों का प्रवाह नीचे से ऊपर
6. अन्य अवधारणाओं प्रत्यायोजन, आदेशों की एकता इत्यादि की जड़/आत्मा होता है

(Write above this line only)

निर्धारित स्थिति से आई का लिखे

9. जॉर्ज टैरी द्वारा वर्णित प्रत्यायोजन के तीन प्रकार कौनसे हैं?

What are the three types of delegation described by George Terry?

प्रत्यायोजन के प्रकार -

जार्ज टैरी द्वारा प्रत्यायोजन के तीन प्रकार बताये गये हैं

(1) कार्य (work) का प्रत्यायोजन

(2) सत्ता का प्रत्यायोजन (Authority)

(3) उत्तरदायित्वों (Responsibility) का प्रत्यायोजन

0

(Write above this line only)

- ऊपर की ओर प्रत्यायोजन
- नीचे की ओर प्रत्यायोजन
- तिरछा प्रत्यायोजन

निर्धारित स्थान से बाहर ना लिखें

नैतिक मूल्यों एवं आदर्शों का पालन

Samyak
An Institute For Civil Services

शेयरधारकों एवं हितधारकों के प्रति जवाबदेही ← Company Act 2013 Section 135 → Corporate governance
→ CSR गतिविधि
→ CSR समिति

10. कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 135 की मुख्य विषयवस्तु क्या है?
What is the main content of Section 135 of the Company Act 2013?

1. कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 135 की मुख्य विषय वस्तु कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व है। अर्थात् CSR

2

2. इसके तहत निजि क्षेत्र के उपक्रमों में कॉर्पोरेट गवर्नेंस की स्थापना है।

3. प्रावधान – वे कम्पनियाँ जिनकी Net worth → 500 cr ₹ या अधिक हो उन्हें
Turnover → 1000 cr ₹
Net Profit → 5 cr. ₹

ज्यादा लिखने से बचें

अपनी पिछले तीन वर्षों के औसत लाभ का 2% सामाजिक-आर्थिक गतिविधियों पर खर्च करना होगा एवं एक CSR समिति की स्थापना करनी होगी।

4. निजि क्षेत्र में निष्पक्षता, जवाबदेही, पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व जैसे मूल्यों की स्थापना होगी।

निजि

(Write above this line only)

11. लोक प्रशासन में 'राजनीतिक तटस्थता' से क्या अभिप्राय है?
What is meant by 'political neutrality' in public administration?

1. लोक प्रशासन में राजनीतिक तटस्थता से आशय गैर-तरफदारी (Non-Partisanship) से है।
2. राजनीतिक तटस्थता से आशय लोक प्रशासक द्वारा किसी नेता, विचारधारा, पार्टी अथवा राजनीतिक दल के प्रति तटस्थत रहते हुए एवं पूर्वाग्रहों से मुक्त रहते हुए प्रशासन में सरकार की नीतियों एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन करना है।
3. राजनीतिक तटस्थता लोक प्रशासन के दर्शन/उद्देश्य 'जन कल्याण' को प्राप्त करने की अनिवार्य शर्त है।

राजनीतिक तटस्थता सिविल सर्वेन्ट के लिए अति आवश्यक है

राजनीतिक तटस्थता → जन कल्याण
– वस्तुनिष्ठता – निष्पक्षता
योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन
राजनीतिक दल, विचारधारा से असंबद्धता

2

(Write above this line only)

12. 'निगमित शासन' के प्रमुख तीन मॉडल कौनसे हैं?
What are the three main models of 'corporate governance'?

0

(Write above this line only)

13. लोक प्रशासन के विकास के चतुर्थ चरण को 'संकटावस्था का काल' क्यों कहा जाता है?
What is the fourth phase of development of public administration called 'period of crisis'?

लोक प्रशासन के विकास का चतुर्थ चरण - संकटावस्था का काल / पहचान को चुनौती (1948-1970)

1. इस काल में लोक प्रशासन राजनीति विज्ञान की ओर जाने लग गया था तथा इसे राजनीति विज्ञान विषय की ही एक शाखा माना जाने लगा था।
2. जॉन गॉस की पुस्तक 'The New trends in the History of Public Administration' में लोक प्रशासन को राजनीति विज्ञान से अलग नहीं माना गया।
3. मॉर्टिन द्वारा भी जॉन गॉस का समर्थन किया गया।
4. लोक प्रशासन के सिद्धांतों को मुहावरे व कहावतें बताया गया - साइमन की पुस्तक The Proverbs of Public Administration
5. लोक प्रशासन एक स्वतंत्र विषय के रूप में अपना अस्तित्व खो रहा था।

(1½)

साइमन की आलोचना [illegible] लोक प्रशासन के सिद्धांतवादी विचारधारा को [illegible] प्रस्तुत(?)

(Write above this line only)

14. हेनरी फेयोल की 'गैंग प्लेंक' की अवधारणा।
Henri Fayol's concept of 'Gang Plank'.

* फेयोल की गैंग प्लैंक की अवधारणा एक संगठन में पद-सोपान में एक ही स्तर / पद सोपान के अधीनस्थों के मध्य प्रत्यक्ष संबंधों की स्थापना को स्वीकार करता है जिसकी उच्चाधिकारी को यथासमय सूचना होनी चाहिए।

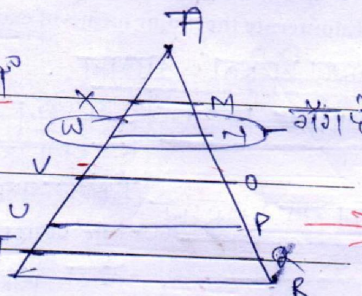

* यह अवधारणा संगठन में कार्यवाहियों में अनावश्यक देरी का समाधान करता है तथा अधीनस्थों के मध्य प्रभावी संवाद एवं समन्वय सुनिश्चित करता है।

* अधिकारी - अधीनस्थों के संबंध सौहार्दपूर्ण होते हैं एवं अधीनस्थों द्वारा लिये गये निर्णयों की समुचित सूचना उच्चाधिकारी को सुनिश्चित करता है।

(1½)

पदसोपान के दोनों ओर [illegible]

(Write above this line only)

15. राज्य सचिवालय विधायी भूमिका का किस प्रकार निर्वाह करता है?
How does the State Secretariat perform its legislative role?

1. राज्य सचिवालय राज्य का 'मस्तिष्क' होता है तथा 'सचिवों का घर' होता है।
2. सचिवालय में सभी विभागों के सचिव होते हैं जो राजनीतिक नेतृत्व को नीति निर्माण में उचित सलाह एवं सहायता प्रदान करते हैं।
3. व्यवस्थापिका द्वारा प्रत्यायोजित विधायन (delegative Legislation)
4. चलायमान कार्यक्रमों / अधिनियमों में अपेक्षित संशोधन में सहायक
5. सदन में पूछे गये प्रश्नों, प्रस्तावों के संदर्भ में सूचनाएं व आंकड़े उपलब्ध करवाते हैं।
6. विभिन्न सत्रों एवं मीटिंगों की व्यवस्था एवं एजेंडा तय करने में सहायता करते हैं।

(1½)

विधायी भूमिका
- नीति-निर्माण
- सदन में पूछे गये प्रश्नों एवं विषयों के संदर्भ में सूचनाएँ
- प्रत्यायोजित विधायन
- चलायमान कार्यक्रमों / अधिनियमों में संशोधन

विधानसभा में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर तैयार [illegible]

(Write above this line only)

7. राज्यपाल के अभिभाषण तैयार करना

राज्यपाल की नियुक्ति केन्द्र सरकार द्वारा की जाती है

16. 'राज्यपाल केन्द्र का एजेंट है'- कथन की पुष्टि में दो तर्क दीजिए।
Give two arguments in support of the statement 'The Governor is the agent of the Centre'.

राज्यपाल केन्द्र के एजेंट के रूप में –
1. राज्यपाल की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा केन्द्र सरकार की सलाह पर।
2. राज्यपाल का पद राष्ट्रपति के प्रसाद पर्यन्त होना।
3. राज्यपाल की नियुक्ति में राज्य सरकार व मुख्यमंत्री की कोई भूमिका न होना।
4. आपातकाल (राष्ट्रीय - अनुच्छेद 352) एवं राज्य में संवैधानिक तंत्र की विफलता (अनुच्छेद 356) के दौरान संघ सरकार का प्रत्यक्ष नियंत्रण व निर्देशन होना।
5. राज्यपाल का स्थानांतरण राष्ट्रपति द्वारा संघ सरकार की सलाह पर।
6. राज्यपाल द्वारा त्यागपत्र भी राष्ट्रपति को संबोधित होना।

(Write above this line only)

1½

17. प्रशासन पर कार्यपालिकीय नियंत्रण के प्रमुख साधनों को बताइये।
Enumerate the major means of executive control over administration.

कार्यपालिका नियंत्रण के साधन –
1. राजनीतिक निर्देशन – प्रशासन को नीति निर्माण, क्रियान्वयन तथा प्रशासनिक कार्यों के संबंध में निरंतर राजनीतिक निर्देशन, पर्यवेक्षण मिलता है।
2. निलंबन एवं निष्कासन – लोक प्रशासक को अनेक कृत्यों के लिए कार्यपालिका द्वारा निलंबित एवं निष्कासित भी किया जा सकता है।
3. स्थानांतरण – कार्यपालिका द्वारा लोक प्रशासक को स्थानांतरण के माध्यम से भी नियंत्रित किया जाता है।
4. अनुशासनात्मक कार्यवाही – लोक प्रशासक पर अनुशासनात्मक कार्यवाही द्वारा भी जवाबदेही सुनिश्चित की जाती है।
5. आचार संहिता एवं नैतिक संहिता → भारतीय प्रशासनिक सेवा आचार संहिता 1954, राजस्थान प्रशासनिक सेवा आचार संहिता 1971 आदि

प्रशासन पर कार्यपालिका नियंत्रण
→ राजनीतिक निर्देशन
→ निलंबन व निष्कासन
→ स्थानांतरण
→ अनुशासनात्मक कार्यवाही
→ आचरण संहिता
→ नैतिक संहिता
code of ethics

प्रत्यायोजित विधान, स्पष्टीकरण [illegible]

1½

(Write above this line only)

18. RPSC में हाल में हुए प्रमुख नवाचार कौन-कौनसे रहे हैं?
What have been the recent major innovations in RPSC?

RPSC में हुए नवाचार निम्नलिखित हैं-
1. OTR (One time Registration)
2. PLC (Pre Litigation Committee)
3. OSM (ऑन स्क्रीन मार्किंग)
4. समर्पित सहायता एवं सूचना डेस्क (dedicated Help & info. desk)
5. ऑनलाईन काउंसलिंग प्रक्रिया
6. डिजिटलाइजेशन
7. पाठ्यक्रमों में आवश्यक संशोधन एवं उन्नयन
8. भर्तियों की प्रक्रिया तीव्र एवं गोपनीय
9. परीक्षा पत्रों से संबंधित समर्पित क्षेत्र (RPSC के भीतर) इत्यादि

अधिक लिखने से बचें।

1½

(Write above this line only)

19. राज्य निर्वाचन आयोग के कार्यों का उल्लेख कीजिए।

Mention the functions of the State Election Commission.

राज्य निर्वाचन आयोग के कार्य निम्नलिखित है -

1. राज्य के स्थानीय निकायों (पंचायतों, नगरपालिकाओं इत्यादि) मे फ्री एवं फेयर निर्वाचन
2. निर्वाचक नामावलियों को लगातार संशोधित कर अपडेट करना।
3. नये मतदाताओं को निर्वाचन प्रक्रिया से जोड़ना एवं जागरूकता फैलाना।
4. स्थानीय निकायों से संबंधित उपचुनाव करवाना।
5. निर्वाचन के समय आदर्श आचार संहिता की अनुपालना सुनिश्चित करवाना
6. राज्य में स्थानीय निकायों में समयबद्ध निर्वाचन करवाना।
7. राजनीतिक दलों एवं निर्दलीय अभ्यर्थियों को चुनाव चिह्नों का आवंटन एवं विवाद निपटान करना।

(Write above this line only)

8. राज्य में मतदान व्यवस्था (स्वच्छ जल, छाया, मतदान बूथ इत्यादि) की व्यवस्था करवाना।

1 1/2

राज्य निर्वाचन आयोग की संरचना व भूमिका को संक्षिप्त में बताते

20. अनुच्छेद 200 और 201 में क्या मूलभूत अंतर है?

What is the fundamental difference between Articles 200 and 201?

अनुच्छेद 200 एवं 201 में मूलभूत अंतर निम्नलिखित है -

अनुच्छेद 200	अनुच्छेद 201
1. राज्यपाल को राज्य विधायिका द्वारा पास कर भेजे गये बिल को अधिनियम बनाने हेतु उपलब्ध विकल्प - 1. सहमति देना 2. सहमति नहीं देना (धन विधेयक) 3. पाकेट वीटो 4. राष्ट्रपति के लिए सरक्षित करना 5. पुनर्विचार हेतु	1. राज्यपाल द्वारा अनुच्छेद 200 के तहत एक बार विधेयक राष्ट्रपति महोदय के लिए आरक्षित कर देने पर अब उस पर राज्यपाल की भूमिका समाप्त हो जाती है
2. पुनर्विचार हेतु भेजे गये विधेयक के पुनः विधायिका द्वारा स्वीकृति हेतु भेजने पर स्वीकृति देने हेतु बाध्य है	2. राष्ट्रपति महोदय इसे सहमति दे सकते है सहमति न दे अथवा पुनर्विचार हेतु भेज सकते है
	3. पुनर्विचार पश्चात पुनः भेजे गये विधेयक को भी सहमति देने के लिए बाध्य नहीं है

(Write above this line only)

1 1/2

अच्छा उत्तर लेकिन थोड़े मोटे लिखें

21. मंत्रिपरिषद् के 'सामूहिक उत्तरदायित्व' का क्या आशय है?

What is the meaning of 'collective responsibility' of the Council of Ministers?

मंत्रिपरिषद के 'सामूहिक उत्तरदायित्व' की अवधारणा —

* संविधान के अनुच्छेद 75(3) के अनुसार मंत्रिपरिषद अपने द्वारा लिए गये निर्णयों के लिए सदन के प्रति सामूहिक रूप से उत्तरदायी होगी।
* संघ सरकार में मंत्रिपरिषद का सामूहिक उत्तरदायित्व लोकसभा के प्रति तथा राज्य विधायिका में विधानसभा के प्रति होता है चाहे मंत्री किसी भी सदन से क्यों न हो।
* मंत्रिपरिषद की बैठकों में लिया गया निर्णय पूर्ण मंत्रिपरिषद का होता है अगर किसी मंत्री की असहमति है तो वह केवल बैठकों तक ही सीमित रहनी चाहिए सार्वजनिक तौर पर नहीं।

(Write above this line only)

1 1/2

और एक के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव सारे मंत्रियों को होता है

मंत्रिपरिषद में कैबिनेट मंत्री, राज्यमंत्री, उपमंत्री संसदीय सचिव

22. 'दण्डनायक' के रूप में उपखंड अधिकारी की क्या भूमिका है?
What is the role of Sub Divisional Officer as 'Magistrate'?

15 शब्दों में प्रश्न के 50 शब्दों में लिखें

1½

दण्डनायक के रूप में उपखण्ड अधिकारी की भूमिका –

1. उपखण्ड में शांति एव न्याय व्यवस्था बनाए रखना। (Law & order)
2. उपखण्ड स्तर पर कर्फ्यू, धारा 144 लगाने का निर्णय लेना।
3. उपखण्ड स्तर पर राजस्व मामलों में अपीलीय अधिकारी एव दण्डनायक की भूमिका
4. शांति भंग करने के आरोपी की जमानत स्वीकार करना अथवा नहीं।
5. उपखण्ड स्तर पर पुलिस प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित करना।
6. उपखण्ड क्षेत्र के कारागृहों एव पुलिस थानों का निरीक्षण करना।
7. उपखण्ड स्तर पर हथियारों के लाइसेंस की अनुमति देना।

उत्तर अच्छा है

(Write above this line only)

23. 'प्रश्नकाल' विधायी नियंत्रण का साधन कैसे है?
How is 'Question Hour' a means of legislative control?

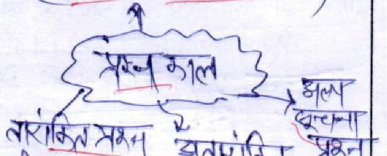

(सुबह 11 से 12 बजे तक)
प्रश्नकाल → तारांकित प्रश्न, अतारांकित प्रश्न, अल्प सूचना प्रश्न

प्रश्नकाल में प्रश्न पूछकर विधायिका कार्यपालिका पर नियंत्रण स्थापित किया जाता है

प्रश्नकाल (Question Hour) –

1. प्रश्नकाल लोक प्रशासन पर विधायी नियंत्रण का प्रभावी साधन है।
2. इसका प्रावधान सदन की कार्यवाही संचालन नियमों में किया गया है।
3. इसके तहत कार्यपालिका की कार्यवाहियों, योजनाओं, कार्यक्रमों से संबंधित तथ्यों के संबंध में सदन के सदस्यों द्वारा प्रश्न पूछ कर जवाबदेही सुनिश्चित की जाती है।
4. प्रश्नों के प्रकार
 (अ) तारांकित प्रश्न – मौखिक उत्तर
 (ब) अतारांकित प्रश्न – लिखित उत्तर
 (स) अल्प सूचना प्रश्न – लिखित उत्तर

1½

(Write above this line only)

24. राजस्थान सुनवाई का अधिकार अधिनियम में वर्णित 'सूचना और सुगम केन्द्र' क्या हैं?
What are the 'Information and Facilitation Centres' mentioned in the Rajasthan Right to Hearing Act?

ग्राहक सेवा हेतु या कॉल सेन्टर

* राजस्थान सुनवाई का अधिकार अधिनियम 2012 के तहत 'सूचना एव सुगम केन्द्र' का प्रावधान किया गया है।
* सूचना एव सुगम केन्द्र के माध्यम से नागरिक एक ही स्थान पर सरकार की सेवाओं से संबंधित सूचना प्राप्त कर सकते हैं।
* यह एक प्रकार से 'one stop solution' है जिसमें सूचना प्राप्त करने में अथवा प्रथम व द्वितीय अपील करने में सुगमकर्ता द्वारा सहायता प्रदान की जाती है।
* यह सरकार के शासन आपके द्वार की अवधारणा को स्थापित करता है।
* प्रत्येक कार्यालय (सरकारी) अथवा विभाग में एक सूचना व सुगम केन्द्र की स्थापना का प्रावधान किया गया है जिसमें लोक सुनवाई अधिकारी (PHO) की नियुक्ति की जाती है।

½

(Write above this line only)

25. राजस्थान लोक सेवा गांरटी अधिनियम, 2011 में प्रथम अपील की अवधि और अपील का आधार क्या है?
What is the period of first appeal and grounds of appeal in Rajasthan Public Service Guarantee Act, 2011?

राजस्थान लोक सेवा गारंटी अधिनियम, 2011 में प्रथम अपील की अवधि
1. तीस दिन अथवा एक महीना की गई है। अवधि – 30 दिन
2. अपील का आधार – (क) यदि सेवा उपलब्ध करवाने से मना कर दिया गया हो
(ख) यदि सेवा देरी से उपलब्ध करवाई गई हो।
(ग) यदि सेवा हेतु पंजीकरण या एप्लीकेशन की पावती / रसीद न दी गई हो।
(घ) यदि सेवा अपेक्षित गुणवत्ता के स्तर को प्राप्त न करती हो।
(ङ) यदि सेवा के प्रतिफल में अनावश्यक एवं अवैध मांग की गई हो।
यदि आवेदन को मंजूर न किया गया हो तो।

महिना

1/2

(Write above this line only)

Note : Answer the following questions in 50 words. Each question carries 5 marks.
नोट : निम्न प्रश्नों के उत्तर 50 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है।

1. नवीन लोक प्रशासन के विकास के लिए उत्तरदायी कारण कौन-कौनसे रहे हैं?
What have been the reasons responsible for the development of new public administration?

नव लोक प्रशासन के विकास के उत्तरदायी कारण –
1. संयुक्त राज्य अमेरिका में सामाजिक-आर्थिक समस्याएँ जैसे गरीबी, बेरोजगारी, असमानताएँ इत्यादि
2. हनी प्रतिवेदन (1967) (USA)
USA में लोक प्रशासन की असफलता का कारण लोक प्रशासन का एक विषय के रूप में स्थापित न हो पाना है
3. फिलाडेल्फिया सम्मेलन (1967)
अध्यक्ष चार्ल्स वर्थ संस्तुतियाँ – 1. जनसहभागिता 2. राजनीति-प्रशासन द्विविभाजन खण्डन 3. विकेन्द्रीकरण 4. पदसोपान में लचीलापन
4. मिनोब्रुक सम्मेलन (1968)
अध्यक्ष – वाल्डो – संस्तुतियाँ 1. उत्तरदायित्व 2. मूल्य 3. परिवर्तन 4. कार्यकुशलता

नवीन लोक प्रशासन को परिभाषित करें
निर्धारित स्थान का ध्यान रखें।

3 1/2

(Write above this line only)

NPA कारण → 1960s में
→ मिनोब्रुक सम्मेलन (1968)
→ USA की सामाजिक आर्थिक स्थिति
→ हनी प्रतिवेदन 1967
→ फिलाडेल्फिया सम्मेलन (1967)

2. 'वैज्ञानिक प्रबंधन उपागम' की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए इसकी प्रमुख विशेषताओं को लिखिए।

Explaining the concept of 'Scientific Management Approach', write its main features.

वैज्ञानिक प्रबंधन उपागम – यह लोक प्रशासन का ~~[illegible]~~ उपागम है जिसे मानव संबंध उपागम अथवा ढॉस्की पद्धति उपागम का परिष्कृत रूप भी कहते हैं

यह लोक प्रशासन का पारंपरिक उपागम है जिसके मुख्य समर्थक टेलर, गिल एवं ब्रेथ है। इस उपागम के अंतर्गत लोक प्रशासन को विज्ञान माना गया है एवं विभिन्न सिद्धांतों एवं शोधो पर बल दिया गया है

प्रमुख विशेषताएं
1. प्रमुख सिद्धांत – (क) कार्य को विज्ञान के रूप में स्वीकार करना
(ख) मानसिक क्रांति की अवधारणा
(ग) विभेदीकृत पारिश्रमिक की अवधारणा
(घ) अपवाद का सिद्धांत
(ङ) फंक्शनल फॉरमैनशिप की अवधारणा
2. संगठन के वैज्ञानिक प्रबंधन पर बल
3. मानव संसाधन को आर्थिक रोबोट स्वीकार करना
4. संगठन के कर्मचारियों में आर्थिक अभिप्रेरणा को ही स्वीकार करना
5. प्रबंधन का मुख्य उद्देश्य अत्यधिक उत्पादन प्राप्त करना
6. आदेश की एकता की अवधारणा को अस्वीकार करना (Functional Foremanship)
7. संगठन में कार्यकुशलता, मितव्ययता एवं प्रभाविता को स्थापित करना।
8. संगठन में ठेका पद्धति के माध्यम से विभेदीकृत पारिश्रमिक व्यवस्था को स्वीकार करती है

(Write above this line only)

शब्द सीमा का ध्यान रखें अवधारणा स्पष्ट करें

3½

3. शक्ति के 'विशिष्टवर्गीय सिद्धांत' और 'बहुलवादी सिद्धांत' की व्याख्या कीजिए।

Explain the 'Elite Theory' and 'Pluralistic Theory' of Power.

0

(Write above this line only)

4. 'आदेश की एकता' सिद्धांत की कमियों को उजागर कीजिए।

Highlight the shortcomings of the 'Unity of command' principle.

1. वर्तमान समय में अव्यवहारिक एवं अप्रासंगिक।
2. टेलर के फंक्शनल फॉरमैनशिप अवधारणा के अनुसार भी अव्यवहारिक।
3. किसी बड़े संगठन अथवा बहुआयामी कार्य प्रशासनिक चरित्र में एक ही व्यक्ति से आदेश मिलना अव्यवहारिक।
4. सैन्य प्रशासन में सहायक जहाँ एकीकृत पद सोपान व्यवस्था है।
5. एक संगठन में विभिन्न शाखाओं यथा तकनीकी शाखा, एकाउंटेंट शाखा, स्थापना शाखा इत्यादि के कारण आदेश की एकता के सिद्धांत की व्यवहारिकता कम
6. अधीनस्थों में एक ही अधिकारी से आदेश प्राप्त होने से अकर्मण्यता की समस्या।
7. छोटे संगठनों में व्यवहारिकता तुलनात्मक रूप से कम।
8. वर्तमान समय में संगठन के बदलते उद्देश्यों, बहुआयामी चरित्र एवं दायित्वों के बढ़ते आयामों में आदेश की एकता अप्रभावी।

(Write above this line only)

(3½)

आदेश की एकता विशिष्टीकरण सिद्धान्त की विरोधी है

आदेश की एकता को परिभाषित करें

5. 'नियंत्रण के क्षेत्र' को निर्धारित करने वाले प्रमुख कारकों को वर्गीकृत करें।

Classify the major factors that determine 'Span of control'.

नियंत्रण के क्षेत्र को प्रभावित करने वाले कारक निम्न हैं-

1. **औपचारिक कारक**
   - (i) स्थान - उच्चाधिकारी एवं अधीनस्थों की अवस्थिति
     अगर एक ही स्थान/कार्यालय → नियंत्रण अधिक होगा
     दूरी ज्यादा → नियंत्रण कम होगा।
   - (ii) वैज्ञानिक विधियों का प्रयोग → CCTV, e-mail, e-गवर्नेंस, CPM, Biometric उपस्थिति
     नियंत्रण अधिक होगा।
   - (iii) आयु व अवधि - अगर संगठन नया - नियंत्रण कम
     संगठन पुराना - नियंत्रण अधिक
     प्रबंधक अनुभवी - नियंत्रण अधिक
   - (iv) आकार - संगठन बड़ा - नियंत्रण कम, संगठन छोटा - नियंत्रण अधिक
   - (v) कर्मचारियों की संख्या एवं समूह संबंध (ग्रेक्यूनास सूत्र)
2. **अनौपचारिक कारक**
   → प्रबंधक की सक्षमता

(Write above this line only)

   → प्रबंधक की पारिवारिक/निजि जीवन - if सकारात्मक - नियंत्रण अधिक
     नकारात्मक - नियंत्रण कम
   → प्रबंधक का पूर्व अनुभव
   कर्मचारियों का कौशल स्तर एवं जागरूकता

(2)

नियंत्रण के क्षेत्र को भी एक-दो लाइन में परिभाषित करना था

अधिकारी का व्यक्तित्व पर निर्भर

6. 'नव लोक प्रबंधन', नव लोक प्रशासन से किस प्रकार भिन्न है? समझाइए।
How is 'New Public Management' different from New Public Administration? explain.

नवलोक प्रशासन व नवलोक प्रबंध को भी परिभाषित करते हुए लिखिए

नव लोक प्रबंधन (NPM) एवं नव लोक प्रशासन (NPA) में अंतर निम्नलिखित है-

नव लोक प्रशासन (NPA) (1960s)	नव लोक प्रबंधन (NPM) (1990s)
1. कारण - USA की सामाजिक-आर्थिक स्थिति की प्रतिवेदन, फिलाडेल्फिया एवं मिन्नोब्रुक सम्मेलन इत्यादि	1. कारण - उदारीकरण, निजीकरण एवं भूमण्डलीकरण (LPG) के उपरांत नई परिस्थितियाँ एवं आयाम
2. मुख्य विशेषताएँ (1) जनसहभागिता (2) विकेन्द्रीकरण (3) पदसोपान का लचीलापन (4) राजनीति-प्रशासन विभाजन खण्डन/विरोध	2. मुख्य विशेषताएँ - 3E - (i) मितव्ययता Economy (ii) प्रभावशीलता Effectiveness (iii) कार्यकुशलता Efficiency
3. लक्ष्य/उद्देश्य - (i) मूल्य (ii) प्रासंगिकता (iii) परिवर्तन (iv) सामाजिक समता	3. लक्ष्य/उद्देश्य - (i) वस्तुनिष्ठता/निष्पक्षता (ii) पारदर्शिता (iii) उत्तरदायित्व
4. बाजारोन्मुखता, ग्राहकोन्मुखता	4. बाह्यीकरण outsourcing विनौकरशाहीकरण
5. राजनीति विज्ञान एवं लोक प्रशासन का विरोध	5. राजनीति विज्ञान एवं लोक प्रशासन की सीमित भूमिका।
सरकार का विरोध	सरकार की सीमित भूमिका का समर्थन

3

(Write above this line only)

7. 'समन्वय प्रबंधन का सार है'- व्याख्या कीजिए।
'Coordination is the essence of management' – Explain.

समन्वय प्रबंधन का सार है। एक अच्छा एवं प्रभावी प्रबंधन के लिए आवश्यक है कि संगठन में उच्चाधिकारी तथा अधीनस्थों के मध्य एवं विभिन्न कर्मचारियों के मध्य सौहार्दपूर्ण संबंध एवं समन्वय अच्छा हो।

संगठन के लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु सामूहिक प्रयास की आवश्यकता होती है जिसके लिए टीमभावना एवं समन्वय अनिवार्य है।

पदसोपान में सत्ता का प्रवाह ऊपर से नीचे होता है तथा आदेशों की पालना के लिए विभिन्न पदों पर स्थापित कर्मचारियों में समन्वय आवश्यक है।

लूथर गुलिक द्वारा लोक प्रशासन के POSDCORB दृष्टिकोण के अनुसार भी समन्वय co-ordination अनिवार्य है।

परम्परागत उपागम यथा शास्त्रीय अवधारणा में भी मेयो के द्वारा प्रबंधन की प्रभाविता एवं लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु संगठन के उच्चाधिकारी एवं अधीनस्थों में समन्वय आवश्यक है।
आधुनिक व्यवहारवादी उपागम में साइमन द्वारा एवं परम्परागत वैज्ञानिक उपागम में टेलर के द्वारा क्रमशः गैर आर्थिक मूल्यों एवं मानसिक क्रांति की अवधारणा में समन्वय का महत्व स्पष्ट किया गया है।

वर्तमान में संगठनों के बहुआयामी चरित्र एवं बदलते गतिशील मूल्यों में कर्मचारियों के मध्य समन्वय आवश्यक शर्त है जिससे संगठन के लक्ष्यों की समयोन्मुखी प्राप्ति हो सके।

संगठन में अधीनस्थों के मध्य एवं उच्चाधिकारी के मध्य प्रभावी

(Write above this line only)

समन्वय परिवर्तन के प्रबंध, प्रभावी कार्यक्रम क्रियान्वयन एवं कार्यकुशलता की परिचायक है।
Change Management

3½

8. 'निगमित अभिशासन' क्या है? इसके महत्त्व का बिंदुवार वर्णन कीजिए।

What is 'Corporate Governance'? Describe its importance point by point.

* निगमित अभिशासन से अभिप्राय निजि उपक्रमों/संगठनों की उन सभी गतिविधियों तथा नैतिक आदर्शों, मूल्यों एवं सिद्धांतों के योग से है जिससे संगठन की समाज, पर्यावरण, अंशधारकों/हितधारकों के प्रति जवाबदेही उत्तरदायित्व एवं निष्पक्षता (Neutrality) स्पष्ट होती है।

निगमित प्रशासन की अवधारणा ऑसबर्न एवं पी बर्नी ने स्पष्ट की थी तथा भारत में कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा 135 के तहत मूर्त रूप प्राप्त करती है।

* महत्व – (3½)

1. निगमित अभिशासन निजि क्षेत्र में प्रशासन में नैतिक मूल्यों का समावेश सुनिश्चित करता है।
2. संगठन की समाज में 'ब्रांड इमेज' तथा विश्वसनीयता बढ़ती है।
3. संगठन की समाज एवं हितधारकों के प्रति उत्तरदायित्व स्पष्ट होते हैं।
4. संगठन का आत्मावलोकन (introspection) तथा वैश्विक मूल्यांकन (Global evaluation) संभव होता है।
5. संगठन में स्थानीय एवं वैश्विक/अंतर्राष्ट्रीय निवेश की संभावना बढ़ती है।
6. संगठन के कर्मचारी अभिप्रेरित होते हैं तथा आत्मसंतुष्टि का स्तर बढ़ता है।
7. ग्राहकों को गुणवत्तापूर्ण उत्पाद की प्राप्ति संभव।
8. सामाजिक-सांस्कृतिक परिवर्तन एवं नैतिक प्रगति में निजि क्षेत्र का भी प्रभावी योगदान संभव हो पाता है।
9. अंततः संगठन/कम्पनी को ही आर्थिक एवं सामाजिक बढ़त प्राप्त होती है।

निगमित अभिशासन में संगठन के प्रति हितधारकों के हितों को जोड़ा जाता है

(Write above this line only)

9. भारत में लोक सेवा में प्रशासनिक नैतिकता के पतन के कारणों का उल्लेख करें।

Mention the reasons for the decline of administrative ethics in civil service in India.

भारत में 'लोक सेवा में' प्रशासनिक नैतिकता पतन के कारण निम्नलिखित हैं-

1. भ्रष्टाचार की समाज में स्वीकार्यता एवं संस्थानीकरण होना (डा. अमर्त्य सेन)
2. द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग के अनुसार संविधान के अनुच्छेद 311 की उपस्थिति
3. राजनीतिक-प्रशासनिक गठजोड़
4. वार्षिक गोपनीय प्रतिवेदन (ACR/APAR) का औपचारिक होना।
5. मूल्य परक बुनियादी शिक्षा का अभाव।
6. प्रभावी अनुशासनात्मक एवं दण्डात्मक कार्यवाही का अभाव
7. सेवाकाल के दौरान प्रशिक्षण कार्यक्रमों, वर्कशॉप, सेमीनारों की अपर्याप्तता।
8. नैतिक मूल्यांकन आयुक्त एवं नैतिक मूल्यांकन पद्धतियों का अभाव।
9. आचारसंहिता (code of conduct) तथा नैतिक संहिता (code of ethics) का प्रभावी क्रियान्वयन न होना।
10. विवेकाधीन शक्तियों का अधिक होना तथा कुछ पदों का 'ऑवर पावर्ड होना' (over powered)
11. ईमानदार एवं सत्यनिष्ठ प्रशासकों को अपेक्षित प्रोत्साहन या पुरस्कार व्यवस्था न होना उदाहरण - B.R. शर्मा, E. Shreedharan इत्यादि

(3 1/2)

(Write above this line only)

12. प्रभावी विधायी, कार्यपालिका एवं न्यायपालिका नियंत्रण का अभाव होना।

पारिवारिक व सामाजिक नैतिक मूल्यों में ह्रास व समाज में भ्रष्टाचार व अर्थ स्वार्थ को मान्यता मिल गई व समाज के रक्षक ही

उत्तर अच्छा है लेकिन इसे टेबल फॉर्म में लिखना चाहिए था।

10. लोक-प्रशासन में 'सामान्यज्ञ-विशेषज्ञ विवाद' का समाधान प्रस्तुत कीजिए।

Present a solution to the 'Generalist Vs Specialist dispute' in public administration.

लोक प्रशासन में सामान्यज्ञ-विशेषज्ञ विवाद का समाधान निम्नलिखित बिंदुओं द्वारा संभव है-

1. प्रशासन में उच्च पदों पर नियुक्ति के प्रावधान स्पष्ट किये जाने चाहिए अर्थात् प्रशासनिक पुनर्गठन किया जाना चाहिए।
2. प्रशासन में सामान्यज्ञ-विशेषज्ञ एकीकृत सोपानक्रम स्थापित होना चाहिए।
3. नीति निर्माण में विशेषज्ञों की समुचित भूमिका तय की जानी चाहिए।
4. सामान्यज्ञों एवं विशेषज्ञों दोनों को समान वेतन एवं पदोन्नति अवसर उपलब्ध हो
5. नई अखिल भारतीय सेवाओं का सृजन किया जाना चाहिए।
6. वार्षिक गोपनीय प्रतिवेदन को औपचारिक के स्थान पर प्रभावी विचार-विमर्श होना
7. विशेषज्ञों को भी उच्च पद एवं उच्च सम्मान की प्राप्ति होनी चाहिए।
8. विकसित देशों की भांति नीति निर्माण एवं सचिवालयों में विशेषज्ञों की प्रभावी भूमिका
9. सामान्यज्ञों का विशेषज्ञों के प्रति मिलनसार, समन्वयकारी एवं लोकतांत्रिक रवैया
10. प्रशासन में तकनीकी एवं विशिष्ट कार्यों के संपादन में विशेषज्ञों की प्रभावी भूमिका
11. अन्ततः 'ब्यूरोक्रेट' एवं 'टेक्नोक्रेट' के मध्य समन्वय एवं सौहार्दपूर्ण संबंध

ताकि अच्छा ..... हो सके

(Write above this line only)

11. मंत्रिपरिषद् और मंत्रिमंडल के मध्य अंतर को बिंदुवार स्पष्ट कीजिए।

Explain the difference between Council of Ministers and Cabinet point wise.

मंत्रिपरिषद एवं मंत्रिमंडल के मध्य अंतर निम्नलिखित है-

मंत्रिपरिषद (CoM)	मंत्रिमंडल (Cabinet)
1. कैबिनेट मंत्री, राज्य मंत्री एवं उपमंत्री सभी शामिल।	1. केवल कैबिनेट मंत्री शामिल
2. मूल संविधान में मंत्रिपरिषद का प्रावधान है। अनुच्छेद 75(1), 75(3)	2. मूल संविधान में उल्लेख नहीं। 44th संविधान संशोधन के पश्चात् अनुच्छेद 352 में प्रावधान किया गया।
3. सभी विभाग/मंत्रालय शामिल	3. केवल महत्वपूर्ण विभाग/मंत्रालय शामिल।
4. तुलनात्मक रूप से आकार बड़ा है	4. तुलनात्मक रूप से आकार छोटा है
5. अनुच्छेद 75 (1) क (91 वाँ संविधान संशोधन) के माध्यम से आकार निश्चित अर्थात् 15% of Loksabha members	5. आकार या सदस्य संख्या का निश्चित प्रावधान नहीं।
6. महत्वपूर्ण निर्णयों में तुलनात्मक रूप से भागीदारी कम	6. महत्वपूर्ण निर्णय कैबिनेट की बैठक में ही लिए जाते हैं

मंत्रिपरिषद में कैबिनेट, राज्यमंत्री, उपमंत्री, संसदीय सचिव शामिल लेकिन मंत्रिमंडल में केवल कैबिनेट शामिल

(Write above this line only)

12. 'तहसीलदार, तहसील में राज्य का अभिकर्त्ता है'- इस रूप में तहसीलदार की भूमिका चित्रण करें।
'Tehsildar is the agent of the state in the tehsil' – Describe the role of the tehsildar in this way.

तहसीलदार तहसील में राज्य का अभिकर्त्ता है। तहसीलदार तहसील स्तर पर प्रमुख राजस्व अधिकारी एवं प्रशासनिक अभिकर्त्ता है।

तहसीलदार की भूमिका -

1. राजस्व अधिकारी के रूप में - तहसील में राजस्व संग्रहणकर्त्ता
पटवारी, गिरदावर / कानूनगो का उच्च राजस्व अधिकारी
भूमि नामांतरण, भू-अभिलेख संग्रहण, राजस्व अपीलीय अधिकारी इत्यादि।
2. प्रशासनिक अधिकारी के रूप में - तहसील स्तर पर तहसीलदार मुख्य प्रशासनिक अधिकारी है
तहसील स्तर पर शांति एवं न्याय व्यवस्था स्थापित करना
शांति भंग के आरोपी की अग्रिम जमानत स्वीकृति
विभिन्न प्रमाण पत्र यथा - अधिवास प्रमाण पत्र, EWS प्रमाण पत्र इत्यादि
3. प्रोटोकॉल अधिकारी के रूप में
4. विकास अधिकारी के रूप में - तहसील स्तर पर सरकार की विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन के रूप में
5. निर्वाचन अधिकारी - स्थानीय निकायों के चुनावों में SDO के साथ सहायक निर्वाचन अधिकारी, निर्वाचन प्रक्रिया संपादन, मतदाता नामावली अपडेशन इत्यादि
6. प्रशासनिक मुखिया के रूप में - तहसील स्तर पर विभिन्न कर्मचारियों के प्रशासनिक मुखिया के रूप में

(Write above this line only)

50 शब्दों के उत्तर में 100 शब्द लिखना समय के नियमों की उल्लंघन

3½

13. राज्य प्रशासन में निदेशालय के मूल कार्य कौन-कौन से हैं?
What are the basic functions of the Directorate in state administration?

राज्य प्रशासन में निदेशालय के मूल कर्तव्य निम्नलिखित है-
1. संबंधित विभाग की लाईन एजेंसी (Line Agency) के रूप में
2. सचिवालय द्वारा निर्मित नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन, मूल्यांकन एवं फीडबैक एजेंसी के रूप में
3. 'निदेशकों के घर' के रूप में
4. सचिवालय एवं राज्य के कर्मचारियों के मध्य कड़ी के रूप में।
5. सचिवालय में संबंधित विभाग की सलाहकारी एजेंसी के रूप में भूमिका
6. राज्य सरकार अथवा केन्द्र सरकार की विभिन्न योजनाओं / कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन एवं सरकार के विजन को मूर्त रूप प्रदान करने में
7. जन कल्याण को सुनिश्चित करने हेतु लक्षित लाभार्थियों की पहचान कार्य करना।
8. सचिवालय तथा संबंधित राजनीतिक प्रमुख को विभाग से संबंधित सूचनाएं, आंकड़े इत्यादि उपलब्ध करवाना।
9. विभागीय कर्मचारियों पर प्रभावी नियंत्रण, अनुशासनात्मक कार्यवाही करने एवं प्रभावी समन्वय सुनिश्चित करने का कार्य।

(Write above this line only)

10. सरकार के कार्यों को संपादित करने में 'हाथ-पैर' की भूमिका के रूप में।

सचिवालय निदेशालय नीतियों का क्रियान्वयन सभी विभागों में उचित मार्गदर्शन के कार्य किया [illegible]

3½

14. राजस्थान में लोकायुक्त संस्था को मजबूत बनाने हेतु अपने सुझाव प्रस्तुत कीजिए।
Give your suggestions to strengthen the Lokayukta institution in Rajasthan.

राजस्थान में लोकायुक्त का प्रावधान राजस्थान लोकायुक्त एवं उपलोकायुक्त अधिनियम 1973 के तहत सांविधिक निकाय के रूप में है।

मजबूत बनाने के लिए सुझाव -

1. नियुक्ति प्रक्रिया पारदर्शी होना एवं लोकायुक्त का पद रिक्त न रहना।
2. लोकायुक्त के दायरे में केन्द्र में लोकपाल की तरह मुख्यमंत्री, मंत्री, इत्यादि को भी शामिल करना जिससे विश्वसनीयता एवं सहभागिता स्थापित हो
3. लोकायुक्त द्वारा की गई अनुशंसाओं को केवल सलाहकारी न होकर बाध्यकारी करना।
4. लोकायुक्त एवं लोकपाल को संवैधानिक संस्था का दर्जा दिया जाए।
5. 5 वर्ष से अधिक पुराने मामले भी लोकायुक्त के दायरे में शामिल किये जाए।
6. लोकायुक्त द्वारा दिये जाने वाले दण्ड एवं जुर्माने के कठोर प्रावधान किये जाए।
7. लोकायुक्त एवं उपलोकायुक्त के पद पर नियुक्ति साफ छवि वाले एवं उच्च नैतिक मानदंडों वाले प्रशासनिक अधिकारियों की हो जिससे प्रशासन में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं विश्वसनीयता में वृद्धि हो।

(Write above this line only)

15. प्रशासन पर कार्यपालिकीय नियंत्रण की सीमाओं को स्पष्ट करें।
Explain the limits of executive control over administration.

प्रशासन पर कार्यपालिका के नियंत्रण की सीमाएँ -

1. अस्थायी कार्यपालिका अथवा राजनीतिक प्रमुखों की योग्यता, अनुभव एवं कौशल की कमी के कारण प्रभावी नियंत्रण नहीं हो पाता है।
2. नीति निर्माण में लोक सेवकों की अत्यधिक भूमिका होना।
3. अधीनस्थ विधायन अथवा प्रत्यायोजित विधायन में लोकसेवकों की भूमिका
4. राजनीतिक प्रतिनिधित्व के पास समयाभाव व विशेषज्ञता का अभाव।
5. भारतीय संविधान में अनुच्छेद 311 के तहत लोक सेवकों को प्राप्त सुरक्षा (2nd ARC द्वारा इसके निरसन की सिफारिश की गई है)
6. कार्यपालिका की लोक सेवकों पर बढ़ती निर्भरता।
7. प्रभावी एवं स्पष्ट आचरण संहिता (code of conduct) एवं नैतिक संहिता (code of ethics) का अभाव।
8. वार्षिक गोपनीय प्रतिवेदन (ACR) केवल औपचारिकता।
9. प्रशासन - राजनीतिक गठजोड़ होना।

(Write above this line only)

16. 'मानवाधिकार' को परिभाषित करते हुए राज्य मानवाधिकार आयोग की संरचना का वर्णन कीजिए।
Define 'Human rights' and describe the structure of the State Human Rights Commission.

मानवाधिकार से आशय उन मूल एवं प्राकृतिक अधिकारों के समुच्चय से है जो एक मानवीय गरिमामय जीवन जीने के लिए अनिवार्य हैं तथा अपनी प्रकृति में नैसर्गिक है जैसे न्याय, समानता इत्यादि।

राज्य मानवाधिकार आयोग (RSHRC)
1. सांविधिक निकाय है
2. मानवाधिकार अधिनियम 1993 के तहत 1999 में स्थापित एवं 2000 में प्रभावी / कार्यरत

3½

संरचना - आयोग में एक अध्यक्ष एवं दो सदस्यों का प्रावधान है।
जिनका कार्यकाल - 3 वर्ष या 70 वर्ष अधिकतम आयु जो भी पहले हो तथा अध्यक्ष एवं सदस्य पुनर्नियुक्ति के पात्र हैं

अध्यक्ष - योग्यता - सुप्रीम कोर्ट (SC) के न्यायाधीश अथवा उच्च न्यायालय का सेवारत / सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश
नियुक्ति - राज्यपाल द्वारा पैनल की सिफारिश पर जिसमें 1. CM 2. नेता प्रतिपक्ष 3. गृह मंत्री 4. विधानसभा अध्यक्ष शामिल हो
पद से हटाना - राष्ट्रपति द्वारा SC की सिफारिश पर कदाचार, दुराचरण इत्यादि के आधार पर

सदस्य - दो सदस्य जिनमें से कम से एक महिला हो तथा मानवाधिकारों का विशेषज्ञ हो।

(Write above this line only)

अध्यक्ष - GK व्यास
सदस्य - R C झाला
महेश गोयल

2 बिन्दु ... (margin remarks, partly illegible)

Note : Answer the following questions in 100 words. Each question carries 10 marks.

नोट : निम्न प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

1. 'पदसोपान प्रशासनिक संगठन की प्राथमिक आवश्यकता है'- कथन की व्याख्या करते हुए 'पद सोपान' की महत्ता स्पष्ट कीजिए।

Explaining the statement 'Hierarchy is the primary requirement of administrative organisation', explain the importance of 'Hierarchy'.

पदसोपान (Hierarchy) से आशय किसी संगठन में उच्चाधिकारी - अधीनस्थों का बना ऐसा जाल है जिससे संगठन अर्थात प्रशासनिक नेतृत्व की स्पष्टता, पारदर्शिता, जवाबदेही इत्यादि सुनिश्चित होती है।

पदसोपान का प्रशासनिक संगठन में महत्ता -

चित्र - जिले में राजस्व पदसोपान क्रम

1. पदसोपान का सिद्धांत संगठन में अन्य सिद्धांतों प्रत्यायोजन, कार्य विभाजन इत्यादि की जड़/आत्मा होती है।
2. पदसोपान से संगठन में उच्चाधिकारी - अधीनस्थ में संबंधों की स्पष्टता होती है। जिससे जवाबदेही तथा उत्तरदायित्व स्पष्ट होते हैं।
3. कर्मचारियों में संशय दूर होते हैं एवं स्पष्टता आती है।
4. पदसोपान से कार्यविभाजन एवं प्रत्यायोजन (delegation) संभव हो पाता है।
5. संगठन में आदेशों की एकता एवं नियंत्रण क्षेत्र स्पष्ट होता है।
6. यह सिद्धांत उपयुक्त माध्यम सिद्धांत (Proper channel theory) पर आधारित है जिसे फेयोल द्वारा स्केलर चेन एवं गुलिक द्वारा स्केलर प्रोसेस कहा गया है।
7. संगठन में पदोन्नति के चैनल स्पष्ट होते हैं।
8. प्रशासनिक संगठन में जनकल्याणकारी नीतियों का प्रभावी क्रियान्वयन एवं लक्ष्यों की समयोन्मुखी प्राप्ति संभव हो पाती है।
9. संगठन में अनुशासन, पारदर्शिता की स्थापना होती है।
10. प्रत्येक पदस्थ कर्मचारी की जिम्मेदारी एवं कर्तव्य स्पष्ट होते हैं।
11. संगठन में स्वकर्तव्य पालन का मूल्य विकसित होता है तथा कर्मचारियों का कार्य निष्पादन मूल्यांकन हो पाता है।

पदसोपान किसी भी संगठन की उत्तरजीविता की अनिवार्य शर्त एवं मूलभूत अवधारणा है जिससे संगठन अपने लक्ष्यों की प्राप्ति करता है।

(Write above this line only)

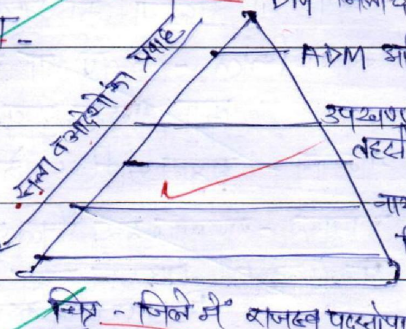

प्रस्तावना ठीक है
मुख्य भाग ठीक है
6

2. विकासशील देशों में लोक प्रशासन की चुनौतियाँ स्पष्ट करते हुए इन समाजों में लोक प्रशासन की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

Explain the challenges of public administration in developing countries and throw light on the role of public administration in these societies.

विकासशील देशों में लोक प्रशासन की चुनौतियाँ -

1. लोक प्रशासन स्वतः विकसित न होकर 'औपनिवेशिक विरासत' के रूप में प्राप्त होता है जिसमें Eliteness का मूल्य अधिक होता है।
2. लोक प्रशासन की अवधारणा संक्रमणकालीन अवस्था में होती है।
3. प्रशासन के समक्ष चुनौतियाँ अधिक एवं संसाधन (मानवीय एवं आर्थिक) कम होते हैं।
4. प्रशासन एवं नीति निर्माण में सामान्यज्ञों का प्रभुत्व अधिक होता है।
5. प्रशासनिक भ्रष्टाचार, प्रशासन राजनैतिक गठजोड़ इत्यादि की समस्या।
6. प्रशासन में नैतिक मूल्यों यथा निष्पक्षता, समर्पण, सेवा भावना, सत्यनिष्ठा इत्यादि की कमी।
7. प्रशासन में सामान्यतः विवादों - सामान्यज्ञ बनाम विशेषज्ञ, प्रशासक बनाम राजनीतिज्ञ की स्थिति।
8. प्रशासन में तकनीकी उन्नयन एवं विशेषज्ञता की कमी।

विकासशील समाज में लोक प्रशासन की भूमिका -

(6)

1. लोक प्रशासन का दर्शन/उद्देश्य जन कल्याण है अतः विकासशील समाज में आर्थिक सामाजिक राजनीतिक असमानता को दूर करना ही मुख्य लक्ष्य है।
2. लोक प्रशासन के माध्यम से सामाजिक-आर्थिक-राजनीतिक न्याय (वितरण मूलक न्याय) की स्थापना में सहायक।
3. भारतीय विकासशील समाज में एक नैतिक एवं मूल्यपरक लोक प्रशासन के द्वारा ही अन्त्योदय व सर्वोदय की संकल्पना को धरातल पर लाया जाना संभव।
4. लोक प्रशासन अशोक स्तंभ के चार सिंहों में से वह चौथा सिंह है जो दिखाई नहीं देता परन्तु महसूस अवश्य किया जाना चाहिए जिससे समाज में एक समतामूलक एवं न्यायपूर्ण वातावरण बन सके।
5. विकासशील समाजों में जनसंख्या वृद्धि, पर्यावरणीय प्रदूषण, उद्यमिता का निम्न स्तर एवं आर्थिक वृद्धि का निचला स्तर इत्यादि समस्याओं का समाधान लोक प्रशासन के माध्यम से ही संभव है।

विकास प्रशासन एवं प्रशासनिक विकास लोक प्रशासन के ऐसे गत्यात्मक व प्रगतिशील आयाम हैं जिनके माध्यम से विकासशील समाज में सामाजिक-आर्थिक-राजनीतिक परिवर्तन तो संभव है ही साथ में लोक प्रशासन के उत्तम चरित्र व नये प्रतिमान स्थापित करने की प्रबल संभावना है।

(Write above this line only)

विकासशील देशों की परिभाषा करनी चाहिए। कठिनाइयों का प्रभाव, उपनिवेशवाद का प्रभाव, जन सहभागिता का अभाव, नौकरशाही पर्याप्त प्रशिक्षित नहीं है, संगठनात्मक कार्य बहुत ही कमजोर है।

3. 'विकास प्रशासन' और 'प्रशासनिक विकास' की अवधारणाओं को समझाते हुए इनके पारस्परिक अंतर का वर्णन करो।

Explain the concepts of 'development administration' and 'administrative development' and describe their mutual differences.

विकास प्रशासन (development Administration)

विकास प्रशासन से आशय प्रशासन की उस गत्यात्मक एवं प्रगतिशील अवधारणा से है जिसका मुख्य उद्देश्य समाज में व्यापक स्तर पर सामाजिक-आर्थिक-राजनीतिक एवं नैतिक विकास / परिवर्तन से है जिससे समाज का चहुँमुखी विकास संभव हो। यह एक बहुआयामी अवधारणा है।

प्रशासनिक विकास (Development of Administration)

प्रशासनिक विकास से आशय है विकास प्रशासन के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए प्रशासन में किये गये वे संरचनात्मक, प्रक्रियात्मक एवं मूल्यात्मक परिवर्तन हैं जो विकास प्रशासन के साध्य को प्राप्त करने का साधन बन सके।

प्रशासनिक विकास से आशय प्रशासन के विकास की वह मात्रा से है जो समाज में व्यापक सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए तय की जानी है एवं प्रगतिशील सिद्धांतों, मूल्यों एवं विचारों को समाहित करना है।

विकास प्रशासन एवं प्रशासनिक विकास में अंतर निम्नलिखित है -

विकास प्रशासन	प्रशासनिक विकास
1. बहुआयामी अवधारणा है	1. एकल आयामी unidimensional अवधारणा है
2. विकास प्रशासन अपने आप में साध्य है	2. विकास प्रशासन प्राप्ति का साधन अथवा माध्यम है
3. समाज में चहुँमुखी विकास हेतु सामाजिक-आर्थिक-नैतिक प्रगति का परिचायक है	3. प्रशासन में प्रगतिशील अवधारणाओं, संरचनात्मक-प्रक्रियात्मक परिवर्तनों का परिचायक है
4. व्यापक अवधारणा एवं प्रशासन, सामान्य जीवन इत्यादि में लागू	4. केवल प्रशासन एवं प्रशासकों से संबंधित अवधारणा है
साध्य	साधन

विकास प्रशासन एवं प्रशासनिक विकास एक ही सिक्के के दो पहलू और एक दूसरे के प्रतिस्पर्धी न होकर पूरक हैं जिनका लक्ष्य समान तथा कार्यक्षेत्र अलग-अलग है।

(Write above this line only)

बेहतरीन प्रदर्शन
प्रस्तुतीकरण
अच्छा
कंटेंट
अच्छा है

6

4. राज्यपाल के पद से जुड़े व्यावहारिक विवाद के मुद्दों को उजागर करते हुए राज्यपाल की स्वविवेकीय शक्तियों को गिनाइए।

Enumerate the discretionary powers of the Governor highlighting the issues of practical controversy related to the post of Governor.

प्रस्तावना लिखि

राज्यपाल के पद से जुड़े व्यावहारिक विवाद के मुद्दे -

1. विधायी मुद्दे - (i) विधेयकों स्वीकृति देने में अनावश्यक देरी करना अथवा दुर्भावना पूर्वक पॉकेट वीटो का प्रयोग करना।
उदाहरण - हाल ही में सुप्रीम कोर्ट द्वारा तमिलनाडु राज्यपाल से पूछे गए प्रश्न
(ii) राज्य सरकार के आग्रह पर भी विधानसभा सत्र आहूत न करना
उदाहरण - कुछ समय पूर्व राजस्थान विधानसभा के संदर्भ में।
(iii) त्रिशंकु विधानसभा होने पर संघ सरकार के हस्तक्षेप के तहत मुख्यमंत्री नियुक्त करना
(iv) बिना किसी ठोस कारण विधानसभा भंग करना

व्यावहारिक विवादों को सीमित करते हुए स्वविवेकीय शक्तियों को

2. कार्यपालिका संबंधी मुद्दे - (i) राज्य मंत्रिमण्डल की सलाह/सिफारिशों को नजरंदाज करना
(ii) विभिन्न विभागों, निकायों, आयोगों में नियुक्ति पर राज्य सरकार व राज्यपाल में dead lock.
उदाहरण - प. बंगाल सरकार व तत्कालीन राज्यपाल श्री जगदीप धनखड़ के मध्य
(iii) कार्यपालिका द्वारा राज्यपाल की स्वीकृति हेतु भेजे गये प्रशासनिक प्रस्तावों पर स्वीकृति न देना अथवा देरी करना
(iv) एक संवैधानिक मुखिया होते हुए भी राज्य सरकार के प्रशासन में अत्यधिक हस्तक्षेप करना।

थोड़ा विस्तार से बताते

5

निष्कर्ष भी लिखते

3. आपातकालीन मुद्दे - (i) अनुच्छेद 356 के तहत राज्य में संवैधानिक तंत्र के विफल होने की रिपोर्ट राष्ट्रपति को भेजकर अनावश्यक ही जनता द्वारा चुनी हुई सरकार को अस्थिर/विघटित करना
(ii) राष्ट्रीय आपातकाल के समय केन्द्र के एजेंट के रूप में कार्य करना व पक्षपातपूर्ण व्यवहार करना

4. केन्द्र के एजेंट के रूप में कार्य करना - जबकि राज्यपाल राज्य का विधित: (De Jure) प्रधान है तथा इसे गैर पक्षपाती रहते हुए राज्य की जनता के कल्याण एवं संविधान के मूल्यों की सुरक्षा हेतु कार्य निर्वहन करना है

उत्तर को लक्ष्य लिखि

लक्ष्य से ज्यादा न लिखें

राज्यपाल की स्वविवेकीय शक्तियाँ

1. विधानसभा द्वारा भेजे गये विधेयकों पर सहमति देना अथवा नहीं देना (Art. 200)
2. विधेयकों को राष्ट्रपति के लिए आरक्षित रखना (Art 201)
3. जब राज्य सरकार सदन में बहुमत खो दे तब मंत्रिपरिषद की सलाह मानना बाध्यकारी न होना
4. विधानसभा चुनावों में स्पष्ट बहुमत न मिलने पर मुख्यमंत्री की नियुक्ति करना
5. राज्य में अनुच्छेद 356 की अनुपालना में राष्ट्रपति को संवैधानिक तंत्र की विफलता की रिपोर्ट भेजना
6. राज्य में विभिन्न आयोग, बोर्ड के अध्यक्षों की नियुक्ति प्रक्रिया के संबंध में।

प्रश्न की मांग पूरी की गई है

Write above this line only

Samyak
An Institute For Civil Services

5. उन अवसरों का उल्लेख कीजिए जब न्यायपालिका प्रशासन पर नियंत्रण स्थापित करती है? न्यायिक नियंत्रण के उपकरणों का भी वर्णन कीजिए।

Mention those occasions when the judiciary exercises control over the administration? Also describe the instruments of judicial control.

न्यायपालिका का प्रशासन पर नियंत्रण

नियंत्रण के अवसर → अधिकार क्षेत्र व अधिकारिता का अभाव; प्रक्रियात्मक त्रुटि; निर्वचन तथा तथ्यात्मक त्रुटि; अधिकारों व शक्तियों का दुरुपयोग

1. अधिकार क्षेत्र व अधिकारिता का अभाव — न्यायपालिका द्वारा प्रशासन पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जाता है जब प्रशासन अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर कार्य करता है
2. प्रक्रियात्मक त्रुटि → प्रशासन द्वारा नीति निर्माण अथवा क्रियान्वयन में उचित प्रक्रियाओं का पालन नहीं किये जाने पर
3. निर्वचन अथवा तथ्यात्मक त्रुटि — प्रशासन द्वारा अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों का निर्वहन करते समय तथ्यों के गलत निर्वचन अथवा गलत तथ्यों के आधार पर कार्यवाही करने पर न्यायपालिका द्वारा नियंत्रण
4. अधिकारों एवं शक्तियों का दुरुपयोग — प्रशासन द्वारा प्राप्त अधिकारों एवं शक्तियों का दुरुपयोग किये जाने पर न्यायपालिका प्रभावी नियंत्रण स्थापित करती है।

न्यायपालिका द्वारा प्रशासन पर नियंत्रण के उपकरण →

1. साधारण उपकरण
   - 1. न्यायिक समीक्षा - न्यायपालिका द्वारा प्रशासन द्वारा की गई कार्यवाहियों की न्यायिक समीक्षा की जाती है अनुच्छेद 13 के तहत एवं संविधान के मूल ढांचे (केशवानंद भारती केस) Basic Struct. के आधार पर
   - 2. जनहित याचिका (PIL) एवं न्यायिक सक्रियता - PIL के माध्यम से या suo moto के माध्यम से
   - 3. प्रशासनिक अधिकारियों के विरुद्ध अपील द्वारा - न्यायपालिका द्वारा प्रशासकों पर फौजदारी एवं दीवानी मुकदमों के माध्यम से
   - 4. सरकार के विरुद्ध अपील
   - 5. प्रदत्त व्यवस्थापन (delegate legislation) की समीक्षा
   - 6. करारोपण के विरुद्ध अपील (अनुच्छेद 265 के तहत)
2. असाधारण उपकरण — Art 32 एवं 226 के तहत विभिन्न रिट के माध्यम से → बंदी प्रत्यक्षीकरण, अधिकार पृच्छा, परमादेश इत्यादि।

अतः न्यायपालिका द्वारा प्रशासन पर विभिन्न उपकरणों की सहायता से नियंत्रण स्थापित कर Check & Balance स्थापित किया जाता है

6. राजस्थान लोक सेवा गारंटी एक्ट 2011 का महत्त्व स्पष्ट करते हुए इसके क्रियान्वयन में आई कमियों को समझाइए।

Explain the importance of Rajasthan Public Service Guarantee Act 2011 and explain the shortcomings in its implementation.

* राजस्थान लोक सेवा गारंटी अधिनियम 2011 के तहत सेवा प्राप्त करने का विधिक अधिकार प्रदान किया गया है।
* अधिनियम के माध्यम से सरकार एवं शासन के प्रति विश्वसनीयता में वृद्धि
* पारदर्शिता एवं जवाबदेही की स्थापना जिससे जनसहभागिता में वृद्धि तथा सहभागितामूलक लोकतंत्र की स्थापना संभव।
* मूल रूप से 18 विभागों के 153 (वर्तमान में 27 विभागों की 287 सेवाओं) की गारंटी सुनिश्चित की गई है
* नागरिक अधिकार पत्र (Citizen charter Act) का ही विस्तारित रूप जिससे जनता की प्रशासन में सहभागिता एवं पारदर्शिता में वृद्धि
* नव लोक प्रशासन की विभिन्न अवधारणाओं यथा कार्यदक्षता, मितव्ययता, प्रभावशीलता, पारदर्शिता, उत्तरदायी शासन इत्यादि मूल्यों को मूर्त रूप प्रदान
* लोक प्रशासन के मूल उद्देश्य जन कल्याण एवं कल्याणकारी राज्य की अवधारणा की स्थापना संभव।
* एक जवाबदेह, उत्तरदायी, संवेदी प्रशासन की अवधारणा की स्थापना संभव।

क्रियान्वयन में कमियाँ →

1. प्रशासन का औपनिवेशिक स्वरूप एवं जनता के प्रति संवेदनहीनता की समस्या
2. जनता का अशिक्षित एवं अपने अधिकारों के प्रति जागरूक न होना।
3. सेवाओं की डिलीवरी में तकनीकी उन्नयन न होना व विशेषज्ञता की कमी।
4. प्रथम एवं द्वितीय अपील अधिकारी का एकीकृत सोपानक्रम न होना
5. दण्ड व जुर्माने के प्रावधान कठोर न होना व प्रभावी क्रियान्वयन की कमी
6. अधिनियम तथा इससे जुड़े प्रावधानों का सार्वजनिक तौर पर प्रचार प्रसार न किया जाना तथा जटिल शब्दावली का प्रयोग।
7. सेवा डिलीवरी व प्रक्रियाओं का डिजिटलाइजेशन न होना एवं उचित भी निरीक्षण का अभाव।
8. प्रथम अपील अधिकारी के पास शिकायत निवारण हेतु 21 दिन जैसे प्रावधान जो अनावश्यक देरी की स्थिति उत्पन्न करता है।
9. प्रथम एवं द्वितीय अपील अधिकारी के पदों की रिक्तता की समस्या।

राजस्थान सरकार द्वारा लोक सेवा गारंटी अधिनियम 2011 के साथ-साथ जनसुनवाई अधिकार अधिनियम 2012 लागू कर इसके पूरक अधिनियम को लागू किया गया है परन्तु अभी भी जनजागरूकता एवं प्रशासनिक संवेदनहीनता के कारण कमियाँ व्याप्त है।

(Write above this line only)

एक्ट का संक्षिप्त परिचय भी देवे ताकि भूमिका बन सके
मुख्य भाग ठीक है
निष्कर्ष ठीक है
बेहतरीन प्रयास
V. Good
6½

7. 'जिलाधीश के समान न तो कोई अधिकारी हुआ है, न ही होगा'- कथन के आलोक में जिलाधीश की जिला प्रशासन में भूमिका और कार्यों की व्याख्या कीजिए।
In the light of the statement, 'Neither has there been nor will be any officer like the District Magistrate', explain the role and functions of the District Magistrate in the district administration.

जिलाधीश जिला प्रशासन की धुरी तथा धरातल पर सरकार व जनता के मध्य कड़ी का कार्य करता है।

जिलाधीश की प्रशासन में भूमिका एवं कार्य :-

1. प्रशासनिक अधिकारी के रूप में → (i) जिले में समस्त कर्मचारियों एवं अधिकारियों के प्रशासनिक मुखिया के रूप में
(ii) विभिन्न विभागों के मध्य समन्वयकर्ता के रूप में
(iii) विभिन्न NGO, civil societies, कर्मचारी संगठनों के मध्य समन्वयकर्ता
(iv) विभिन्न कर्मचारियों / विभागों के मध्य विवाद समाधानकर्ता के रूप में

2. दण्डनायक के रूप में (i) जिले में शांति एवं न्याय व्यवस्था बनाये रखने में
(ii) जिले में प्रदर्शनी जुलूस इत्यादि की स्वीकृति
(iii) हथियार रखने हेतु लाइसेंस जारीकर्ता
(iv) पुलिस प्रशासन के साथ समन्वय एवं पुलिस थानों, कारागृहों के निरीक्षणकर्ता के रूप में
(v) शांतिभंग करने के आरोपी की जमानत स्वीकृति में
(vi) जिले में धारा 144, कर्फ्यु इत्यादि लागू करने में

3. राजस्व अधिकारी के रूप में → (i) जिले में सर्वोच्च राजस्व अधिकारी के रूप में
(ii) राजस्व संग्रहणकर्ता एवं राजस्व मामलों में जिले स्तर पर उच्चतम अपील अधिकारी
(iii) भू-अभिलेख के कार्य सम्पादनकर्ता के रूप में
(iv) जिला राजस्व कोष संरक्षक के रूप में

4. निर्वाचन संबंधी कार्य – (i) जिला निर्वाचन एवं पंजीयन अधिकारी
(ii) जिले में MP, MLA इत्यादि के free fair निर्वाचन में
(iii) निर्वाचक नामावली तैयार करने व निर्वाचन जागरूकता का कार्य

5. प्रोटोकॉल अधिकारी. जिले में मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री MP. MLA. संभागीय आयुक्त इत्यादि के आगमन पर व्यवस्था में

6. जनसुनवाई एवं शिकायत अधिकारी के रूप में

7. आपदा प्रबंधन अधिकारी के रूप में – NDM Act 2005 के तहत

8. विकास अधिकारी के रूप में – जिला आयोजना समिति के अध्यक्ष के रूप में जिले में विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए

(Write above this line only)

इस प्रकार जिलाधीश Residual legatee के रूप में राज्य की पुलिस राज्य से जनकल्याणकारी राज्य के रूप में बदलती अवधारणा के साथ नई-नई जिम्मेदारियाँ ग्रहण कर रहा है तथा सर्वोदय-अन्त्योदय की संकल्पना को मूर्त रूप प्रदान करता है

~~जिलाधीश मिश्र~~ जिलाधीश की भूमिका व कार्यों को अलग-अलग लिखिए
बाकी ठीक लिखा है 5

थोड़ा मोटा लिखिए

निष्कर्ष भी लिखिए

1. समश्रुत भिन्नार्थक — अंक - 5

2

(i) अंब - पृथ्वी

अंबु - समुद्र

(ii) आपात - आपातकाल

आपद् - सिर से पैर तक

(iii) उबारना - तारना

उभारना - ऊपर उठाना

(iv) कुंजर - जंगल / हाथी

कंजर - एक जाति विशेष

(v) तरि -

तरी -

(vi) प्रणत - झुका हुआ

प्रणीत - रचित

(vii) बारिश - वर्षा

वारिस - उत्तराधिकारी

(viii) सूचि - सुई

सूची - नामावली

(ix) सर्वदा - सदैव, हमेशा

सर्वथा -

(x) सुरभि - विशेष गाय

सुरभी - कमल

2. पारिभाषिक शब्दावली (5½) अंक - 5

(i) Acceleration –
त्वरण

(ii) Biennial –
द्विवर्षीय / द्विवर्षीय

(iii) Collusion –
दुरभिसंधि

(iv) Demonestisation –
विमुद्रीकरण

(v) Endorsement –
पृष्ठांकन करना / समर्थन करना

(vi) Grievance –
शिकायत

(vii) Inconsistent –
अनियमित · असंगत

(viii) Judicial Tribunal –
न्यायिक अधिकरण

(ix) Liability –
देयता / दायित्व

(x) Mondate –
अधिदेश

3. निम्नलिखित अवतरण का उपयुक्त शीर्षक देते हुए लगभग एक-तिहाई शब्दों में संक्षेपण कीजिए-

अंक - 10

''लोक में फैली हुई दु:ख की छाया को हटाने में ब्रह्मा की आनन्द कला जो शक्तिमय रूप धारण करती है, उसकी भीषणता में भी अद्भुत मनोहरता, कटुता में भी अपूर्व मधुरता, प्रचण्डता में भी गहरी आर्द्रता लगी रहती है। विरूद्धों का यही सामंजस्य कर्मक्षेत्र का सौन्दर्य है, जिसकी ओर आकर्षित हुए बिना मनुष्य का हृदय नहीं रह सकता। इस सामंजस्य का और कई रूपों में दर्शन होता है। किसी कोट-पतलून-हैट वाले धारा-प्रवाह संस्कृत बोलते अथवा किसी पण्डित-वेषधारी सज्जन का अंग्रेजी का प्रगल्भ-वक्तृता देते सुन व्यक्तित्व का जो एक चमत्कार-सा दिखाई पड़ता है, उसकी तह में भी सामंजस्य का यही सौन्दर्य समझना चाहिए। भीषणता और सरसता, कोमलता और कठोरता, कटुता तथा मधुरता, प्रचण्डता और मृदुता का सामंजस्य ही लोकधर्म का सौन्दर्य है, आदि कवि वाल्मीकि की वाणी इसी सौन्दर्य के उद्घाटन महोत्सव का दिव्य संगीत है। सौन्दर्य का यह उद्घाटन असौन्दर्य का आवरण हटाकर होता है। धर्म और मंगल की यह ज्योति अधर्म और अत्याचार, क्लेश इत्यादि की घाटा को फाड़ती हुई फूटती है। इससे कवि हमारे सामने असौंदर्य, अमंगल, अत्याचार, क्लेश इत्यादि भी रखता है, रोष हाहाकार और ध्वंस के दृश्य भी लाता है, पर सारे कार्य, सारे रूप और सारे व्यापार भीतर-भीतर आनन्द-कला के विकास में ही बोध के विविध रूप देते पाए जाते हैं। यदि किसी ओर उन्मुख ज्वलन्त रोष है तो उसके सब ओर उसका सहगामी रक्षा और कल्याण का भाव है।''

0

अथवा

राजकीय विद्यालयों का नियमित समय परिवर्तन हेतु शासन सचिव शिक्षा विभाग राजस्थान की ओर परिपत्र जारी कीजिए। अंक - 10

राजस्थान सरकार
शिक्षा विभाग
कार्यालय शासन सचिव, जयपुर
शासन सचिवालय

प०क्र : प(21) क/का.शा.स./मा.शि./2023/682 जयपुर, दिनांक:-10 दिसम्बर 2023

परिपत्र

विषय:- राजकीय विद्यालयों का समय परिवर्तन बाबत्।

संदर्भ:- शिक्षा विभाग राजस्थान के विद्यालयों का समय परिवर्तन हेतु आदेश क्रमांक: प(छ) अ/शि.वि.रा./मा.शि./2023/91 दिनांक 28 नवंबर, 2023 के संदर्भ में।

4

शिक्षा विभाग, राजस्थान के उपर्युक्त संदर्भगत एवं विषयांतर्गत मुझे यह आदेश प्राप्त हुआ है कि आपको सूचित किया जाता कि प्रदेश में शीतलहर के व्यापक प्रकोप एवं आगामी मौसम पूर्वानुमानों के अनुसार प्रदेश में अत्यधिक सर्दी रहने का अनुमान है।

अतः समस्त राजकीय विद्यालयों एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित अथवा वित्त पोषित विद्यालयों का समय शीतकालीन अवकाश के पश्चात् प्रातः 10:30 बजे से सायं 4 बजे तक किया जाए।

कखग
(क ख ग)
शासन सचिव

प०क्र.: प(21)क/का.शा.स./मा.शि./2023/682-

प्रतिलिपि:- उचित कार्यवाही एवं सूचनार्थ -

1. कार्यालय निदेशक, शिक्षा विभाग राजस्थान
2. जिला शिक्षा अधिकारी, समस्त जिले राजस्थान
3. रक्षित पत्रावली

कखग
(क ख ग)
शासन सचिव

(A) Choose the correct word/phrase and rewrite the correct form of the following sentences: (Q. No. 1-10)

6

Marks 10

1. Did you face ~~some~~/any difficulty in finding the house?

Did you face any difficulty in finding the House?

2. The servant was allowed much/~~most~~ rest.

The servant was allowed much rest.

3. The/~~A~~ knife is made of metal.

The knife is made of metal.

4. You are a/~~the~~ fool to say that.

You are a fool to say that.

5. Kalidas is ~~no article~~/the Shakespeare of India.

Kalidas is the Shakespeare of India.

6. It is only after the/~~a~~ war is over that people realise how bad it was.

It is only after the war is over that people realize how bad it was.

7. The seed of all modern amenities lies in the/no article science.

The seed of all modern amenities lies in the science

8. This is the/~~a~~ most important question which you have to prepare very carefully.

This is the most important question which you have to prepare very carefully.

9. 'Music is a/~~the~~ science but singing is an art' said ~~the~~ music teacher.

'Music is a science but singing is an art' said the music teacher.

10. He uses the mock-heroic style to depict the/~~no article~~ violence.

He uses the mock heroic style to ~~deciy~~ depict the violence.

(B) Write a one word substitute for the following expressions: (Q. No. 11-20) (4) Marks 10

11. A supposed cure for all diseases or problems.

Panachea Panacea

12. Too much official formality

13. Absence of any form of political authority or government.

Anarchy

14. The abandonment of one's country or cause.

Apostate Defection

15. Speed of an object in one direction.

Linear motion Velocity

16. Done without opposition, Complete agreement.

Unanimous

17. The first speech made by a person.

maiden - speech

18. Quick and light in movement or action.

19. A shortened form of a word or phrase.

Abbreviation

20. Use of force or threat to make someone agree.